दालों की उत्पादन दर

5048. **श्री वीरेन जे. शाह :**

श्री राम जेठमलानी :

क्या **कृषि** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि देश में प्रति हैक्टेयर दालों की उत्पादन दर विश्व के पाकिस्तान, थाइलैंड, आस्ट्रेलिया, चीन, बंगलादेश आदि जैसे दाल उत्पादक देशों की उत्पादन दर की तुलना में कम रही है;

(ख) यदि हां, तो इस संबंध में ब्यौरा क्या है; और वर्ष 1993-94 के दौरान देश में प्रति हैक्टेयर दालों की अनुमानित उत्पादन दर कितनी रही;

(ग) क्या यह भी सच है कि देश में दालों की उत्पादन दर में वृद्धि करने हेतु गत कुछ वर्षों के दौरान अनुसंधान कार्य भी किया गया है;

(घ) यदि हां, तो उक्त अनुसंधान कार्य के संबंध में प्राप्त उपलब्धियों का ब्यौरा क्या है;

(ङ) क्या सरकार ने भविष्य में दालों की उत्पादन दर में वृद्धि करने हेतु किसी कार्य योजना को कार्यान्वित करने का निर्णय लिया है; और

(च) यदि हां, तो इस शताब्दी के अंत तक देश में दालों की कितनी उत्पादन दर किए जाने का लक्ष्य है ?

कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री एस. कृष्ण कुमार) : (क) और (ख) 1992 के दौरान विभिन्न देशों में दालों की उत्पादन दर इस प्रकार थी :—

क्रम सं०	देश	उत्पादन दर (कि० ग्रा० प्रति हैक्टेयर)
1.	भारत	582
2.	पाकिस्तान	481
3.	थाईलैण्ड	805
4.	आस्ट्रेलिया	1059
5.	चीन	1478
6.	बंगलादेश	719

पाकिस्तान में उत्पादन दर न्यूनतम रही। 1993-94 के दौरान दालों की उत्पादन दर अंतरिम रूप से 625 किलोग्राम प्रति हैक्टेयर होने का अनुमान है।

(ग) और (घ) गत तीन वर्षों के दौरान देश में कई बेहतर किस्में विकसित की गई हैं। इन किस्मों की सूची संलग्न विवरण में दी गई है। **(नीचे देखिए)**

(ङ) दालों की उत्पादन दर में वृद्धि करने के लिए 26 राज्यों में एक केन्द्रीय प्रायोजित राष्ट्रीय दलहन विकास परियोजना का कार्यान्वयन किया जा रहा है। राष्ट्रीय दलहन विकास परियोजना के अंतर्गत किसानों को प्रमुख आदान मुहैया किए जाते हैं जैसे बीजों की बेहतर किस्मों का उत्पादन और वितरण, राइजोबियम कल्चर और फास्फेट में विलयशील जीवाणु का वितरण, फार्म उपकरणों, छिड़काव सैटों, सूक्ष्म पोषक तत्वों का वितरण आदि। इसके अतिरिक्त, किसानों के खेतों में अग्रणी और खंड प्रदर्शन भी आयोजित किए जाते हैं ताकि दालों की अधिक उपज देने वाली तकनीकों को अपनाने के लिए उन्हें प्रोत्साहित किया जा सके।

(च) ऐसे कोई लक्ष्य नहीं आंके गए हैं।

विवरण

गत तीन वर्षों के दौरान दालों की नई विकसित की गई किस्में

फसल	किस्म	निर्मुक्ति का वर्ष	उपज क्वि०/प्रति है०	अपनाए जाने का क्षेत्र
1	2	3	4	5
चना	जेजी 74	1991	11	मध्य प्रदेश ।
	आर एसजी 44	1991	22–25	राजस्थान ।
	बीजी 372	1992	25–30	हरियाणा, पंजाब, उत्तर प्रदेश, बिहार, प० बंगाल, गुजरात, मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र
	सदाबहार	1992	25–30	उत्तर प्रदेश ।
	आईसीसीवी-10	1992	20	पूर्वी मध्य प्रदेश, उड़ीसा, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु, केरल ।
	उदय (केपीजी-59)	1992	22–25	हरियाणा, पंजाब, उत्तरी राजस्थान, पूर्वी उत्तर प्रदेश, बिहार ।
अरहर	जवाहर अरहर 4	1991	15–18	मध्य प्रदेश
	आई सीपीएल 87119	1992	20–25	पूर्वी मध्य प्रदेश, उड़ीसा, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु, केरल, कर्नाटक, गुजरात मध्य प्रदेश तथा महाराष्ट्र ।
	पूसा–9	1992	25	पूर्वी उत्तर प्रदेश, बिहार, पश्चिम बंगाल ।
	पारस (एच 82–1)	1993	15–20	पंजाब, हरियाणा, पूर्वी राजस्थान ।
मूंग की फली	आर एम जी–62	1991	7–10	राजस्थान ।
	बी एम–4	1992	10–11	मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, गुजरात
	एमयूएम-2	1992	12–13	पश्चिमी उत्तर प्रदेश, पूर्वी राजस्थान, हरियाणा, पंजाब
	एम एच–88–III	1993	12–15	पंजाब, हरियाणा, पूर्वी राजस्थान, पश्चिमी उत्तर प्रदेश ।

1	2	3	4	5
उड़द की फली	टी पी यू–4	1992	9–10	मध्य प्रदेश, गुजरात, महाराष्ट्र ।
	एल बीजी–402	1992	10	पूर्वी मध्य प्रदेश, उड़ीसा, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु, केरल और कर्नाटक ।
गोल मटर	जवाहर मटर–6	1991	20	गुजरात, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र ।
	जेपी–885	1992	20–22	मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश में बुंदेलखण्ड ।
	केएफपी–103	1992	18–20	उत्तरी, राजस्थान, पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश,
मसूर	जेएल–1	1991	10–14	मध्य प्रदेश ।
	सपना	1991	17–18	पंजाब, हरियाणा, उत्तरी राजस्थान
	पंत मसूर–4	1993	17	पूर्वी उत्तर प्रदेश, बिहार पश्चिम बंगाल ।
	शिवालिक (लेंस–4076)	1993	14–15	हिमाचल प्रदेश की पहाड़ियाँ पंजाब के मैदान, हरियाणा व उत्तर प्रदेश, भारत का मध्य क्षेत्र ।
राजमा	मालवीय राजमा –137	1991	20–25	पूर्वी उत्तर प्रदेश, बिहार, पश्चिम बंगाल तथा असम ।
	एच पी आर–35	1992	14	महाराष्ट्र ।

Harassment of Scientists in ICAR

5049. DR. MURLI MANOHAR JOSHI :

SHRI TRILOKI NATH CHATURVEDI :

Will the Minister of AGRICULTURE be pleased to state :

(a) whether Government's attention has been drawn to the news-item published in the 'Jansatta' of 4th April, 1994 to the effect that Dr. Mahabal Ram's researches of improved variety of barley in Karnal are being suppressed and the scientist is being harassed, if so, what are the facts in this regard;

(b) whether Government are aware that in the past also the scientists in the various organisations of the Indian Council of Agricultural Research have been frustrated and driven to suicide and what is the number of scientists in Indian Council of Agricultural Research organisations who have committed suicide in the past three years; and

(c) whether Government have devised any mechanism so that genuine researches by scientists are duly recognised, and if so, the details thereof ?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE (SHRI S. KRISHNA KUMAR) : (a) Yes, Sir. However, the fact is that neither the